सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 43 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 18 मार्च, 2026
मूल्य ₹ 3/-

हर मित्रता के पीछे कोई ना कोई स्वार्थ होता है। ऐसी कोई मित्रता नहीं, जिसमें स्वार्थ न हो। यह कड़वा सच है।
-चाणक्य

चोट ने बिगाड़ी मयंक यादव... 7 | चुनाव का बिगुल बजते ही सियासी... 3 | प्रदेश में भेदभाव चरम पर... 2

रील से घबराई सत्ता

4PM की पत्रकार फिजा की रील देश में प्रतिबंधित

» सोचिए सरकार कितनी डरी हुई!

» सवालों के घेरे में आई अभिव्यक्ति की आजादी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। डर का चेहरा कैसा होता है? शायद वैसा ही जैसा इन दिनों सत्ता के फैसलों में दिखाई दे रहा है। एक इंस्टाग्राम रील महज कुछ मिनटों में 2.2 मिलियन लोगों तक पहुंचती है और अचानक उस पर रोक लगा दी जाती है। सवाल उठता है कि क्या अब एक रील भी इतनी खतरनाक हो गई है कि उसे देश के भीतर दिखाना मंजूर नहीं? ताजा मामला 4पीएम न्यूज नेटवर्क की धाकड़ पत्रकार फिजा से जुड़ा है जिनकी एक इंस्टाग्राम रील को भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया है।

यह वही रील थी जिसमें उन्होंने 4पीएम के यूट्यूब चैनल पर हुई कार्रवाई को लेकर अपनी बात रखी थी। महज कुछ ही समय में यह रील वायरल हो गई और इसकी पहुंच 2.2 मिलियन से अधिक लोगों तक पहुंच गई। लेकिन इसी तेजी ने शायद इसे सत्ता की नजर में खटकने वाला बना दिया। दिलचस्प यह है कि कुछ दिन पहले ही 4पीएम के नेशनल यूट्यूब चैनल को भी सरकार ने बैन कर दिया था। यानी एक प्लेटफार्म के बाद दूसरे प्लेटफार्म पर शिकंजा कसता नजर आ रहा है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब 4पीएम सरकार के निशाने पर आया हो। अपने तीखे और बेबाक अंदाज के लिए पहचाना जाने वाला यह चैनल लंबे समय से सत्ता के लिए असहज सवाल खड़े करता रहा है।

➤ 2.2 मिलियन रीच वाली इंस्टा रील पर रोक, यूट्यूब के बाद सोशल मीडिया पर भी शिकंजा

➤ 4PM चैनल को बंद करने के बाद इंस्टा रील पर सरकारी कार्रवाई

डिजिटल आजादी की बड़ी बहस का हिस्सा

4पीएम और उससे जुड़े लोग अदालत से न्याय की उम्मीद लगाए बैठे हैं। लेकिन यह मामला सिर्फ उनके लिए नहीं बल्कि उन सभी के लिए अहम है जो सोशल मीडिया को अपनी आवाज का मंच मानते हैं। डिजिटल दौर में अभिव्यक्ति के मायने बदल चुके हैं। अब अखबारों और टीवी स्टूडियो से निकलकर आवाज सीधे मोबाइल स्क्रीन तक पहुंचती है। लेकिन जैसे जैसे यह आवाज मजबूत हुई है वैसे-वैसे उस पर नियंत्रण की कोशिशें भी तेज हुई हैं। हालिया घटनाक्रम ने इस बहस को और गहरा कर दिया है कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म सच में आजाद हैं या फिर यहां भी अदृश्य सीमाएं तय की जा रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम, यूट्यूब और एक्स ने आम लोगों को अपनी बात रखने का ऐसा मंच दिया है जो पहले कभी संभव नहीं था। एक साधारण रील या वीडियो कुछ ही घंटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। यही ताकत अब विवाद का कारण भी बनती जा रही है। भारत में आईटी नियमों और डिजिटल कंटेंट से जुड़े कानूनों को लेकर पहले भी बहस होती रही है। कई बार कंटेंट हटाने, अकाउंट ब्लाक करने या रीच सीमित करने जैसे कदमों ने यह सवाल खड़ा किया है कि फैसले कितने पारदर्शी हैं और उनके पीछे की प्रक्रिया क्या है।

> सवाल सिर्फ एक पत्रकार या एक चैनल का नहीं बल्कि उस स्पेस का है जहां आम लोग अपनी बात रखते हैं। फिजा यह भी कहती हैं कि उनके काम में संपादक संजय सर की छाया स्वाभाविक है और शायद यही तेवर उनके कंटेंट में भी दिखाई देता है।

संजय सर की परछाई

फिजा का कहना है कि उनका इंस्टाग्राम पेज निजी है जहां उनके करीब 89 हजार फालोअर्स हैं। वह अक्सर अपने काम से जुड़े वीडियो वहां साझा करती रही हैं। इस बार भी उन्होंने वही किया लेकिन नतीजा कुछ और ही निकला। उनका कहना है कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक रील पर भी इस तरह की कार्रवाई हो सकती है। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और डिजिटल प्लेटफार्मस पर बढ़ते नियंत्रण को लेकर बहस छेड़ दी है। सवाल सिर्फ एक पत्रकार या एक चैनल का नहीं बल्कि उस स्पेस का है जहां आम लोग अपनी बात रखते हैं। फिजा यह भी कहती हैं कि उनके काम में संपादक संजय सर की छाया स्वाभाविक है और शायद यही तेवर उनके कंटेंट में भी दिखाई देता है। अब यह मामला सिर्फ एक रील का नहीं रह गया है। यह उस माहौल की तस्वीर बन चुका है जहां सवाल पूछना और उसे लाखों लोगों तक पहुंचाना दोनों ही जोखिम भरे काम बनते जा रहे हैं।

न्यायालय से न्याय की उम्मीद

इस पूरे विवाद के बीच अब नजरें न्यायालय की ओर टिक गई हैं। 4पीएम न्यूज नेटवर्क को उम्मीद है कि उसे एक बार फिर अदालत से राहत मिलेगी जैसा कि पहले भी हो चुका है। इससे पहले जब चैनल पर कार्रवाई हुई थी तब अदालत ने हस्तक्षेप करते हुए उसे राहत दी थी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पक्ष में संतुलन बनाने की कोशिश की थी। संपादक संजय शर्मा कहते है कि सोशल मीडिया पर इस तरह की कार्रवाई कई संवैधानिक सवाल खड़े करती है। खासतौर पर जब मामला किसी पत्रकार के निजी प्लेटफार्म और उसके कंटेंट से जुड़ा हो।

4PM के एक और वीडियो की धूम किस-किस को बंद करोगे?

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर 39 सेकंड के एक और वीडियो ने गर्दा काट दिया है। यह वीडियो गैस एजेंसी में कवरेज करने पहुंची 4पीएम की जाबांज पत्रकार आकांक्षा का है। इस वीडियो में एक युवक पत्रकार को कवरेज करने से यह कहकर रोक रहा है कि वह भी इलेक्ट्रानिक मीडिया से जुड़ा है और आप वीडियो मत बनाओ। इसके बाद आकांक्षा उस युवक को बताती नजर आ रही है कि वह रिपोर्टिंग क्यों न करे। गौरतलब है कि सरकार जनता को मिलने वाली छोटी छोटी रस्तें और जरूरतों को तो पूरा नहीं कर पा रही उल्टे उन लोगों को रोकने की जरूर कोशिश करती है जो लोग इन मुद्दों को उठाते हैं।

राजनीतिक दलों ने लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया

राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी तेज हो गई हैं। कांग्रेस नेता शैलेन्द्र तिवारी ने इस कार्रवाई को लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया है। उनका कहना है कि सरकार आलोचना से बचने के लिए डिजिटल प्लेटफार्मस तक को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। वहीं आम आदमी पार्टी के नेता अकील का मानना है कि यह कदम सरकार के भीतर के असुरक्षा भाव को दर्शाता है। उनके मुताबिक अगर एक रील से इतना खतरा महसूस हो रहा है तो यह स्थिति अपने आप में बहुत कुछ कहती है। समाजशास्त्री डीके त्रिपाठी इसे एक व्यापक सामाजिक संकेत के रूप में देखते हैं। उनका कहना है कि जब सत्ता अभिव्यक्ति के छोटे छोटे माध्यमों से भी असहज होने लगे तो यह लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय बन जाता है। अब सबकी उम्मीद न्यायालय की ओर है और भरोसा है कि न्यायालय इस मामले में न सिर्फ हस्तक्षेप करेगा बल्कि पूर्व की भांति सरकार को फटकार लगाते हुए राहत भी प्रदान करेगा। क्योंकि इससे पहले की निर्णयों में माननीय न्यायालय ने प्रतिबंध को लेकर अपने फैसलों में कड़ी टिप्पड़ी भी की थी। लेकिन सरकार बार बार भूल जाती है। सरकार के प्रतिबंध और फैसले लगातार उपहास का केन्द्र बन रहे हैं। सोनम वांगचुक की बेवाजह की गिरफ्तारी और उन्हें 6 महीने जेल में बिना सबूतों के रखना भी सवाल खड़े कर रहा है।

» सरकार आलोचना से बचने के लिए डिजिटल प्लेटफार्मस तक को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है

प्रदेश में भेदभाव चरम पर: अखिलेश यादव

सपा प्रमुख बोले- यूपी में कानून-व्यवस्था को ही मार दी गई है गोली, गोरखपुर में दिनदहाड़े हत्याकांड पर योगी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा व योगी सरकार पर तीखा प्रहार किया है। सपा प्रमुख ने कहा कि यूपी में कानून-व्यवस्था को ही गोली मार दी गई है। गोरखपुर में दिनदहाड़े हुआ हत्याकांड बता रहा है कि बेखौफ अपराधियों को किसका प्रश्रय मिला है। उन्होंने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार ने यूपी को बर्बाद कर दिया है। कोई भी सुरक्षित नहीं है।

सरकार का कानून व्यवस्था और अपराध को लेकर जीरो टॉलरेंस का दावा जीरो है। भेदभाव चरम पर है। लखनऊ में ग्रीन कॉरिडोर के निर्माण में हुए भ्रष्टाचार ने अपना रंग दिखा दिया। हर काम और हर विभाग में भारी भ्रष्टाचार है। जल जीवन मिशन में बजट की लूट और पानी की टंकियां के ढहने को प्रदेश की जनता पहले ही देख चुकी है।

सपा ने की मतदाता सूची से फर्जी नाम हटाने की मांग

सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर मांग की है कि विधान परिषद चुनाव के लिए जिन शिक्षक मतदाताओं के आवेदन डीआईओएस ने प्रति हस्ताक्षरित नहीं किए हैं उनका नाम अंतिम मतदाता सूची से हटाया जाए। वैध मतदाता सूची जारी की जाए। फर्जी शिक्षकों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल कराने वाले निर्वाचन कर्मियों व अधिकारियों को चिह्नित कर कानूनी कार्रवाई हो। ज्ञापन सौंपने वालों में सपा के प्रदेश सचिव केके श्रीवास्तव, डॉ. हरिश्चंद्र सिंह यादव और राधेश्याम सिंह शामिल थे।

कुलदीप यादव के रिसेप्शन में पहुंचे सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष, कुलदीप और वंशिका ने पैर छूकर लिया आशीर्वाद

भारतीय क्रिके ट टीम के खिलाड़ी कुलदीप यादव के रिसेप्शन में सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पहुंचे। क्रिके टर कुलदीप यादव और वंशिका ने पैर छूकर आशीर्वाद लिया। बता दें भारतीय क्रिकेट टीम के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव और उनकी जीवनसाथी वंशिका सिंह के शाही रिसेप्शन से नवाबों का शहर क्रि केट, सियासत और शाही चमक-धमक से सराबोर हो उठा। इस अवसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी शिरकत की।

हाईकोर्ट की यूपी सरकार को फटकार

» मुख्तार अंसारी के भाई मंसूर अंसारी को राहत

» अदालत ने रद्द किया कुर्की का आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गैंगस्टर मुख्तार अंसारी के रिश्ते के भाई की गाजीपुर में स्थित अचल संपत्ति की कुर्की का आदेश रद्द कर दिया है। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार किसी अपराध और कुर्क संपत्ति के बीच कोई संबंध स्थापित करने में विफल रही।

मंसूर अंसारी की आपराधिक अपील स्वीकार करते हुए न्यायमूर्ति राजबीर सिंह ने स्पष्ट किया कि सरकार महज निराधार आरोपों या महज इसलिए कि एक व्यक्ति कुख्यात गैंगस्टर से जुड़ा है, इसके आधार पर गैंगस्टर अधिनियम के तहत संपत्ति जब्त नहीं कर सकती। इससे पूर्व, गाजीपुर के विशेष न्यायाधीश ने पुलिस की एक रिपोर्ट में लगाए गए इस आरोप के आधार पर कि उक्त संपत्ति दिवंगत मुख्तार अंसारी की बेनामी संपत्ति है, 26,18,025 रुपये मूल्य की दुकानें और भवन कुर्क करने के जिलाधिकारी के निर्णय को सही ठहराया था। अदालत ने पाया कि अपीलकर्ता मंसूर अंसारी का गैंगस्टर अधिनियम के तहत कोई आपराधिक इतिहास नहीं है. यद्यपि 2007 में मुख्तार अंसारी के

खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया था, अपीलकर्ता उस मामले में आरोपी नहीं था। महज इसलिए कि अपीलकर्ता, मुख्तार का रिश्ते में भाई है, यह उसकी संपत्ति कुर्क करने का आधार नहीं हो सकता। अदालत ने 12 मार्च को दिए अपने निर्णय में गाजीपुर की अदालत के निर्णय और जिलाधिकारी के आदेश को दरकिनार कर दिया और प्रतिवादी को उक्त संपत्ति तत्काल प्रभाव से मुक्त करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी के दावों को किया खारिज-

उच्च न्यायालय ने कहा कि संपत्ति कुर्क करने की जिलाधिकारी की शक्ति पूर्ण नहीं है और यह साबित करने के लिए सामग्री होनी आवश्यक है कि अमुक व्यक्ति ने गैंगस्टर अधिनियम के तहत उल्लिखित अपराध की कमाई से वह संपत्ति हासिल की है। अदालत ने कहा, उस व्यक्ति के आपराधिक कृत्य और उसके द्वारा हासिल संपत्ति के बीच संबंध होना आवश्यक है. किसी अपराध में महज उसका शामिल होना उसकी संपत्ति को कुर्क करने के लिए पर्याप्त नहीं है। उच्च न्यायालय ने कहा कि हमेशा ही यह साबित करना राज्य पर है कि जो संपत्ति कुर्क की जा रही है, वह अपराध की कमाई से हासिल की गई है।

अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की जाए वरना रास में सबको नंगा कर दूंगा: डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल

» गोरखपुर हत्याकांड पर भड़के भाजपा सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद और महासचिव डॉक्टर राधा मोहन दास अग्रवाल गोरखपुर हत्याकांड पर भड़के हैं। उन्होंने कहा कि गोरखनाथ मंदिर के ठीक पीछे यह जगन्नाथ हत्याकांड हुआ है। इसके पीछे जो भी लोग हैं उनके खिलाफ सख्त सख्त कार्रवाई की जाए वरना वे राज्यसभा में सबको नंगा कर देंगे। वहीं यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा कि परिवार की हर संभव मदद की जाएगी और हत्यारोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी

। और यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान पूर्व पार्षद प्रतिनिधि व भाजपा नेता राजकुमार चौहान के घर सांत्वना देने दिल्ली से पहुंचे। इस दौरान मंत्री दारा सिंह चौहान भी शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे। दोनों ही नेता के राजकुमार चौहान काफी करीबी रहे हैं। बीजेपी महासचिव और राज्यसभा सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल मंगलवार 17 मार्च को भाजपा नेता व पूर्व पार्षद प्रतिनिधि राजकुमार चौहान के घर सांत्वना

देने व अंतिम संस्कार में सम्मिलित होने के लिए दिल्ली से पार्लियामेंट छोड़कर गोरखपुर पहुंचे थे। इस दौरान यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान भी राजकुमार चौहान के घर पहुंचे. उन्होंने कहा कि राजकुमार चौहान भाजपा के वरिष्ठ नेता और मंडल स्तर के पदाधिकारी रहे हैं। वे पूरे प्रदेश में चौहान समाज के अकेले नेता थे। वे बहुत समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता थे।

उन्होंने कहा कि ठीक गोरखनाथ मंदिर के पीछे उनकी जघन्य हत्या हो गई. दुर्दांत अपराधियों ने चाकू खूब-खूब कर उनकी हत्या कर दी. इस मास लिंचिंग कहा जाता है. स्वर्गीय राजकुमार चौहान की मॉब लिंचिंग हुई है. सरकार हमारी है. वे लोग मानते हैं कि लॉ एंड ऑर्डर पहले से बेहतर हुआ है. इसका यह मतलब नहीं है कि चिराग तले अंधेरा हो जाएगा।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

विस चुनाव के नजदीक आते ही वोटों के स्वार्थ में कांशीराम की जयंती मना रही हैं पार्टियां: मायावती

» बसपा प्रमुख का कांग्रेस पर तीखा हमला

» कहा- कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग हास्यास्पद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि सपा और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने ये दलित विरोधी पार्टियां यूपी में विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही वोटों के स्वार्थ में बसपा संस्थापक

कांशीराम की जयंती मना रही हैं। यह इन दलों की सोची-समझी रणनीति है।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार में रहने के दौरान कांशीराम को भारत रत्न नहीं दिया। अब दूसरी पार्टी की सरकार से इसकी मांग कर रही है। यह हास्यास्पद है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये पार्टियां शुरू से ही बसपा को खत्म करने में लगी हैं जबकि बसपा की नींव कांशीराम ने खुद रखी थी। उन्होंने कहा कि इस नींव उनके जीते जी कोई हिला नहीं सकता है। कहा, इन पार्टियों के महापुरुषों में कोई जान नहीं रही है, जो अब ये हमारे महापुरुषों को भुनाने में लगे हैं।

इन्होंने कांशीराम के जीते जी हमेशा उपेक्षा की थी। कांशीराम के सम्मान में बसपा सरकार के कामों को भी सपा सरकार ने बदल दिया था।

चुनाव का बिगुल बजते ही सियासी तेवर चढ़े

मतदान करवाने को सियासी दलों की वोटरों पर नजर

- चुनाव आयोग ने कसी कमर
- असम में एक ही चरण में होगी वोटिंग
- पश्चिम बंगाल में दो चरणों में वोटिंग होगी
- तमिलनाडु में एक ही फेज में होगा चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पांच राज्यों के लिए चुनाव तारीखों का ऐलान कर दिया है। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के लिए मतदान कार्यक्रम की घोषणा की। इसके अनुसार, मतदान 9 अप्रैल को शुरू होगा और वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

चुनाव आयोग के अनुसार, असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में चुनाव एक ही चरण में 9 अप्रैल को होंगे। तमिलनाडु में मतदान 23 अप्रैल को होगा। वहीं, पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में होंगे, जिसमें मतदान 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को निर्धारित है। आयोग ने बताया कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर सत्ता की जंग में डीएमके, एआईडीएमके में मुकाबला

तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर सत्ता की जंग का बिगुल बज चुका है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि राज्य में सुरक्षा और स्थानीय त्योहारों को ध्यान में रखते हुए मतदान की तारीख तय की गई है। तमिलनाडु में इस बार चुनाव केवल एक ही चरण में पूरा किया जाएगा। चुनाव आयोग के मुताबिक, तमिलनाडु की सभी सीटों पर 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। मतदान संपन्न होने के बाद, 4 मई को वोटों की गिनती होगी और उसी दिन चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे। बता दें कि तमिलनाडु विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 10 मई को खत्म हो रहा है, इसलिए उससे पहले नई सरकार का गठन जरूरी है। तमिलनाडु में इस बार कुल 5.6 करोड़ वोटर अपनी सरकार चुनेंगे। इनमें 2.7 करोड़ पुरुष और 2.8 करोड़ महिला मतदाता शामिल हैं, जबकि 7,617 वोटर थर्ड जेंडर के हैं। चुनाव में पूरी पारदर्शिता बरतने के लिए आयोग ने एक बड़ा फैसला लिया है। इस बार राज्य के सभी 100 प्रतिशत मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग यानी लाइव वीडियो निगरानी की जाएगी, ताकि गड़बड़ी की कोई गुंजाइश न रहे।

सटीक वोटर लिस्ट पर चुनाव आयोग का जोर

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि किसी भी मजबूत लोकतंत्र के लिए सही वोटर लिस्ट होना सबसे जरूरी है। इसके लिए संविधान के नियमों के तहत वोटर लिस्ट की खास जांच की गई है, ताकि किसी भी हकदार व्यक्ति का नाम न छूटे और गलत नाम हटा दिए जाएं। उन्होंने इस काम में जुटे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सफलतापूर्वक काम पूरा करने के लिए बधाई भी दी।

25 लाख चुनाव अधिकारियों को तैनात किया जाएगा

इसके अलावा चुनाव आयोग ने बताया कि असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव कराने के लिए लगभग 25 लाख चुनाव अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। इन कर्मियों में मतदान कर्मचारी, सुरक्षा बल और प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे, जो चुनाव प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं को संभालने और यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे कि मतदान स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो।

पश्चिम बंगाल में टीएमसी व भाजपा में सीधी टक्कर

पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में चुनावी शंखनाद हो चुका है। सबसे अधिक ध्यान पश्चिम बंगाल पर है, जहाँ चुनाव आयोग ने सुरक्षा और संवेदनशीलता को देखते हुए दो चरणों में मतदान कराने का फैसला किया है। बंगाल की 294 विधानसभा सीटों के लिए मुकाबला काफी दिलचस्प होने वाला है। यहाँ मतदान का कार्यक्रम इस प्रकार है–पहला चरण: 23 अप्रैल 2026, दूसरा चरण: 29 अप्रैल 2026, नतीजे: 4 मई 2026, चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही, सभी राज्यों में आदर्श आचार संहिता तुरंत लागू हो जाएगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को, तमिलनाडु का 10 मई को, असम का 20 मई को, केरल का 23 मई को और पुडुचेरी का 15 जून को खत्म हो रहा है। तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में चुनाव आमतौर पर एक ही चरण में होते हैं, जबकि पश्चिम बंगाल और असम में उनके बड़े आकार और सुरक्षा कारणों से आमतौर पर कई चरणों में वोटिंग होती है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव अप्रैल के दूसरे हफ्ते में होने की संभावना है।

चुनाव कार्यक्रम का पूरा विवरण

1. असम – मतदान की तिथि – 9 अप्रैल, मतगणना की तिथि – 4 मई	अप्रैल (दूसरा चरण); मतगणना की तिथि – 4 मई
2. तमिलनाडु – मतदान की तिथि – 23 अप्रैल; मतगणना की तिथि – 4 मई	4. केरल – मतदान की तिथि – 9 अप्रैल; मतगणना की तिथि – 4 मई
3. पश्चिम बंगाल – मतदान की तिथि – 23 अप्रैल (पहला चरण), 29	5. पुडुचेरी – मतदान की तिथि – 9 अप्रैल; मतगणना की तिथि – 4 मई

सत्ता बरकरार रखने और खोई जमीन पाने की जंग

राज्य की 126 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 64 सीटों की जरूरत होती है। वर्तमान में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाले बीजेपी गठबंधन के पास 86 सीटें हैं, जो बहुमत से काफी ज्यादा है। वहीं, कांग्रेस के पास महज 22 सीटें हैं। इस बार मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस के बीच माना जा रहा है। जहां बीजेपी अपनी सत्ता बचाने के लिए पूरी ताकत लगा रही है, वहीं कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के नेतृत्व में विपक्ष वापसी की उम्मीद कर रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने चुनावी तैयारियों की जानकारी दी। आयोग का मुख्य फोकस शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करना है। राज्य में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है और अब सभी दलों की नजरें 9 अप्रैल को होने वाली वोटिंग पर टिकी हैं।

केरल में एलडीएफ और यूडीएफ में मुकाबला

केरल में राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। वहां पर 9 अप्रैल को मतदान और 4 मई को मतगणना होगी। इस घोषणा के साथ ही और सत्ताधारी एलडीएफ व विपक्षी कांग्रेस के बीच चुनावी मुकाबला तेज हो गया है। राज्य में मतदाता सूची का काम पहले ही पूरा कर लिया गया है और अंतिम लिस्ट भी जारी कर दी गई है। केरल में एक ही चरण में मतदान संपन्न होगा। चुनाव की तारीख सामने आते ही राजनीतिक दलों में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस नेता वी.डी. सतीशन ने कहा है कि अब पार्टी अलग-अलग चरणों में अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित करेगी। उन्होंने कोच्चि में पत्रकारों से बात करते हुए साफ किया कि गठबंधन के साथियों के साथ सीट बंटवारे को लेकर कोई झगड़ा नहीं है और बातचीत आखिरी दौर में है। सतीशन के मुताबिक, चुनाव कार्यक्रम के इंतजार में ही अब तक नामों का ऐलान नहीं किया गया था। केरल में मुख्य मुकाबला सत्ताधारी वामपंथी दलों और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच माना जा रहा है। केरल में आमतौर पर हर पांच साल में सरकार बदलने का रिवाज रहा है, लेकिन पिछले चुनाव में पिनाराई विजयन के नेतृत्व में वामपंथियों ने दोबारा जीत दर्ज कर इतिहास रचा था। इस बार जहां वामपंथी दल अपनी पकड़ बनाए रखना चाहते हैं, वहीं कांग्रेस लोकसभा चुनाव के अच्छे नतीजों से उत्साहित है और सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही है।

असम में सरमा बचा पाएंगे सत्ता या गोगोई करेंगे पलटवार

असम विधानसभा की 126 सीटों के लिए 9 अप्रैल को एक चरण में मतदान होगा। यह चुनाव मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के लिए सत्ता बचाने की सीधी चुनौती है, जबकि कांग्रेस गौरव गोगोई के नेतृत्व में वापसी की कोशिश करेगी। असम की 15वीं विधानसभा का कार्यकाल 20 मई को खत्म हो रहा है, इसलिए राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समय पर पूरा किया जाएगा। असम की सभी 126 सीटों के लिए चुनावी बिगुल बज चुका है। असम में इस बार विधानसभा चुनाव केवल एक ही चरण में संपन्न होंगे। राज्य की सभी सीटों पर 9 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। इसके बाद, वोटों की गिनती 4 मई को होगी और उसी दिन परिणाम घोषित किए जाएंगे। इस बार असम के लगभग 2.5 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे, जिनमें महिला मतदाताओं की संख्या 1.25 करोड़ है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

युद्ध में मानवीय संवदेना का ख्याल रखना आवश्यक

> आज की लड़ाई में मानवीय संवदेना गायब है। देश एक दूसरे के आम नागरिकों को मार रहे हैं। जबकि यून चार्टर में रिहाइश वाले इलाकों में बमबारी ने करने के निर्देश हैं।आज नीतिगत बहसों पर रणनीतिक हितों और भू-राजनीतिक समीकरणों का कब्जा है।

अमेरिका की चौधराहट की वजह से आज पूरी दुनिया परेशान है। ऐसे ही पिछले तीन-चार से यूकेन व रुस, इसरायल व फिलिस्तन युद्ध से विश्व असमंजस था। चूकि अब पूरी दुनिया एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। इस लिए किसी कोने में भी कोई उथल-पुथल होती है तो पूरे विश्व के आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक जगत में प्रभाव दिखने लगता है। जैसे आज कल गैस व पेट्रोल को लेकर मारामारी मची है। विडंबना यह है कि आधुनिक विश्व में युद्ध की चर्चाओं से नैतिकता की भाषा गायब है। आज की लड़ाई में मानवीय संवदेना गायब है। देश एक दूसरे के आम नागरिकों को मार रहे हैं। जबकि यून चार्टर में रिहाइश वाले इलाकों में बमबारी न करने के निर्देश हैं। आज नीतिगत बहसों पर रणनीतिक हितों और भू-राजनीतिक समीकरणों का कब्जा है। जिस क्षेत्र ने जरथुस्त्र की शिक्षाओं को जन्म दिया, वहां अब सैन्य प्रतिरोध और प्रतिबंधों की बातें होती हैं। धर्म की दार्शनिक भूमि को आर्थिक या रणनीतिक विश्लेषण तक सीमित कर दिया गया है। ड्रोन,मिसाइलों के इस युग में, हिंसा की सीमाओं व नेतृत्व के दायित्वों से जुड़े प्रश्न आज भी उतने ही जरूरी हैं।

जरथुस्त्र की धरती ने सिखाया था कि सत्य, न्याय व संयम सभ्यता के अस्तित्व के लिए अनिवार्य हैं। ये सबक आज भी प्रासंगिक हैं, बशर्ते हम शक्ति व उत्तरदायित्व के उन मूल सिद्धांतों को पुन: याद करें। ईरान की जिस भूमि को आज हम भू-राजनीतिक टकराव के अखाड़े के रूप में देख रहे हैं, वह कभी मानवता की शुरुआती नैतिक परंपराओं का पालना रही है। आधुनिक राष्ट्र राज्यों और रणनीतिक प्रतिद्वंद्विता के उदय से बहुत पहले, प्राचीन फारस ने सत्य और उत्तरदायित्व पर आधारित एक सशक्त नैतिक दृष्टिकोण दुनिया के सामने रखा था। यह पैगंबर जरथुस्त्र की शिक्षाओं से उपजा, जो पारसी धर्म का आधार बना। इस धर्म का गहरा, किंतु सरल केंद्रीय विचार है- ब्रह्मांड सत्य और असत्य, व्यवस्था और अराजकता के बीच एक निरंतर नैतिक संघर्ष है। इस वैश्विक नाटक में मनुष्य केवल मूकदर्शक नहीं, बल्कि एक सक्रिय भागीदार है, जिसके चयन एवं निर्णय संसार का स्वरूप तय करते हैं। प्राचीन फारस और भारत एक व्यापक भारत-ईरानी संस्कृति का हिस्सा थे। दोनों क्षेत्रों के भाषाई, पौराणिक और दार्शनिक संबंध सर्वविदित हैं। प्राचीन भारतीय ग्रंथों और अवेस्ता के बीच अद्भुत वैचारिक समानताएं एक साझा बौद्धिक विरासत का संकेत देती हैं। भारत में यही नैतिक चेतना धर्म के रूप में विकसित हुई। धर्म में कर्तव्य, नैतिक व्यवस्था और ब्रह्मांड को धारण करने वाले सिद्धांत समाहित हैं। व्यक्ति , शासक और समाज- सभी से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने आचरण को इस नैतिक ढांचे के अनुरूप रखें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

टूट रहा है दुबई में बसने का सुनहरा सपना

हेमंत पाल

बीते कुछ सालों में भारत के कई बड़े उद्योगपति, निवेशक और उच्च आय वर्ग के लोग तेजी से दुबई और खाड़ी देशों की ओर रुख करते दिखाई दिए। कम टैक्स, वैश्विक जीवनशैली और आसान बिजनेस माहौल ने उन्हें आकर्षित किया। लेकिन, हाल के भू-राजनीतिक तनावों और क्षेत्रीय अस्थिरता ने इस प्रवृत्ति पर नए सवाल खड़े कर दिए। क्या वास्तव में दुबई जैसे देशों में बसना उतना सुरक्षित और स्थायी विकल्प है जितना माना जाता है, या फिर यह केवल टैक्स बचाने और विलासितापूर्ण जीवन की चाह का परिणाम है! यह सवाल अब गंभीर बहस का विषय बन चुका है। एक दशक में दुबई भारतीयों के लिए सबसे पसंदीदा विदेशी ठिकानों में से एक बनकर उभरा है। खासकर अमीर भारतीयों और उद्योगपतियों के बीच वहां बसने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है।

दुबई की रियल एस्टेट मार्केट में भारतीय निवेशकों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ती गई और कई बड़े कारोबारी परिवारों ने वहां महंगी प्रॉपर्टी खरीदकर स्थायी निवास बना लिया। इस आकर्षण के पीछे सबसे बड़ा कारण दुबई का टैक्स ढांचा है। दुबई में व्यक्तिगत आयकर नहीं है, जबकि भारत में उच्च आय वर्ग को 30 प्रतिशत तक टैक्स देना पड़ता है। यही कारण है कि कई लोग अपनी आय और संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिए खाड़ी देशों में बसने का फैसला करते हैं। इसके अलावा दुबई का आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र के रूप में पहचान और अपेक्षाकृत आसान कारोबारी नियम भी लोगों को आकर्षित करते रहे हैं। हालांकि, दुबई जाने का कारण केवल टैक्स बचाना ही नहीं है। कई उद्योगपति और कारोबारी दुबई को वैश्विक व्यापार का प्रवेश द्वार मानते हैं। मध्य पूर्व, यूरोप और अफ्रीका के बीच स्थित होने के कारण दुबई व्यापार और लॉजिस्टिक्स के लिए एक रणनीतिक केंद्र बन चुका है। इसके अलावा दुबई में लग्जरी जीवनशैली, आधुनिक शहर, बेहतर परिवहन व्यवस्था और अपेक्षाकृत तेज प्रशासनिक प्रक्रियाएं भी आकर्षण का कारण हैं। कई भारतीय पेशेवर और उद्यमी मानते हैं कि दुबई में कारोबार शुरू करना और विस्तार करना भारत की तुलना में आसान और तेज है। लेकिन, हाल के समय में पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों ने इस आकर्षण पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

क्षेत्रीय संघर्षों और सुरक्षा संबंधी चिंताओं ने यह याद दिलाया है कि खाड़ी क्षेत्र पूरी तरह स्थिर नहीं है। जब भी पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता है, तो वहां रहने वाले विदेशी नागरिकों की सुरक्षा और भविष्य को लेकर चिंता बढ़ जाती है। ऐसे समय में कई लोग यह महसूस करने लगते

हैं कि आर्थिक लाभ के बावजूद किसी दूसरे देश में स्थायी रूप से बसना हमेशा सुरक्षित विकल्प नहीं होता। इसके विपरीत भारत एक बड़ा लोकतांत्रिक और अपेक्षाकृत स्थिर देश है। यहां मजबूत संस्थाएं, स्वतंत्र न्यायपालिका और लोकतांत्रिक व्यवस्था है, जो नागरिकों को दीर्घकालिक सुरक्षा और अधिकार प्रदान करती है। भारत की अर्थव्यवस्था भी तेजी से बढ़ रही है और निवेश तथा उद्यमिता के नए अवसर लगातार सामने आ रहे हैं। स्टार्टअप इकोसिस्टम, डिजिटल अर्थव्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास ने देश को वैश्विक निवेश के लिए आकर्षक बना दिया है। ऐसे में कई विशेषज्ञ मानते हैं कि अल्पकालिक आर्थिक लाभ के लिए विदेश बसना हमेशा दीर्घकालिक रूप से सही फैसला नहीं होता। एक और महत्वपूर्ण पहलू सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव का है। भारत छोड़कर विदेश में बसने वाले कई लोगों को समय के साथ यह महसूस होता है कि अपने समाज, संस्कृति और परिवार से दूर रहना आसान नहीं होता। दुबई जैसे देशों में भले ही भारतीय समुदाय बड़ा हो, लेकिन वहां की नागरिकता व्यवस्था और सामाजिक ढांचा अलग है। अधिकांश विदेशी नागरिकों को वहां स्थायी नागरिकता नहीं मिलती, जिससे उनका भविष्य हमेशा अनिश्चित बना रहता है। हाल के वर्षों में यह भी देखने को मिला है कि कुछ लोग विदेश में रहने के बाद वापस भारत लौटने का निर्णय ले रहे हैं। भारत की बढ़ती आर्थिक संभावनाएं, तकनीकी विकास और बेहतर जीवन के अवसर इस बदलाव के पीछे प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा सरकार द्वारा किए गए कई आर्थिक सुधारों और कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने की कोशिशों ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। दरअसल, विदेश में बसना या निवेश करना कोई गलत निर्णय नहीं है। लेकिन केवल टैक्स बचाने या अल्पकालिक लाभ के लिए स्थायी रूप से देश छोड़ देना एक बड़ा फैसला होता है, जिसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।

जरूरी यह है कि लोग आर्थिक लाभ के साथ-साथ सुरक्षा, स्थिरता, सामाजिक जुड़ाव और भविष्य की संभावनाओं जैसे पहलुओं पर भी गंभीरता से विचार करें। दुबई और खाड़ी देशों का आकर्षण अपनी जगह है, लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने यह सवाल जरूर खड़ा किया है कि क्या केवल आर्थिक कारणों से विदेश बसना सही फैसला है। भारत आज तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था है और यहां अवसरों की कोई कमी नहीं है। ऐसे में शायद यह समय है जब लोग केवल टैक्स के नजरिए से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने फैसलों पर पुनर्विचार करें।

पंजाब की 'कैंसर बेल्ट' के संकट की भ्रांति दूर करने का वक्त

आरपी तिवारी और फेलिक्स बास्ट

एक दशक से, पंजाब के जन-स्वास्थ्य से जुड़ी चर्चाओं में जो एकमात्र छवि सबसे ज्यादा उभरती है-वह है ट्रेन नंबर 14888, जिसे 'कैंसर एक्सप्रेस' भी कहा जाता है। आधी रात बठिंडा से बीकानेर जाने वाली इस रेलगाड़ी में सवार लोगों को देखने वाले और पश्चिमी देशों के डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माताओं के लिए, यह एक 'विफल' भूमि का उदाहरण है-एक पुण्यभूमि जिसका नुकसान उसकी कथित कृषि-सफलता ने ही किया। हालांकि आलोचनात्मक नजरिए से इस स्थिति की गहन जांच करने पर इस दलील की खामी जाहिर हो जाती है। दुर्भाग्य से, कोई बाहरी व्यक्ति जब मालवा क्षेत्र की 'कैंसर बेल्ट' शब्द सुनता है तो लगेगा कि विज्ञान-प्रेरित लगने वाला यह निष्कर्ष लंबे शोध अध्ययनों पर आधारित होगा, जबकि असल में ऐसा बिल्कुल नहीं। मीडिया में इस शब्द का पहला लिखित उपयोग जून, 2005 में 'डाउन टू अर्थ' मैगजीन में हुआ था।

यह नाम एक भाषाई बदलाव रणनीति का परिणाम है, मालवा इलाके के लिए दशकों से इस्तेमाल हो रहे 'कॉटन बेल्ट' में कॉटन की जगह कैंसर रखकर नया नाम गढ़ डाला। तब से, दुनिया के पर्यावरण पत्रकारों ने इस कहानी को अलग-अलग तरीकों से दिखाया। एक सराहनीय सामाजिक सेवा के अलावा 'कैंसर ट्रेन' के वजूद की कोई और वजह नहीं। 1940 के दशक से, बीकानेर का आचार्य तुलसी रीजनल कैंसर हॉस्पिटल (बाद में देश का 13वां क्षेत्रीय कैंसर सेंटर बना) मुफ्त कैंसर इलाज देता आया है, जिनमें मालवा इलाके के मरीज भी शामिल हैं। इसके अलावा, 1990 के दशक से ही, भारतीय रेलवे कैंसर मरीजों के लिए भाड़ा माफी और तीमारदार के लिए स्लीपर और एसी-तृतीय यान में किराया छूट दे रहा है। इसलिए, ट्रेन में 'भीड़' की वजह सस्ते इलाज के साथ मुफ्त टिकटों की सुविधा भी है न कि सिर्फ स्थानीय विषाक्तता से उपजा रोग। आधार जांच दर, कथित एज-एडजस्टेड इंसिडेंस रेट' (एएआईआर)- जो कि विविधितापूर्ण आबादी के आंकड़ा आधारित तुलनात्मक अध्ययन करने का बेस्ट पैमाना है, दर्शाता है कि भ्रांति किस तेजी से फीकी पड़ जाती है।

आईसीएमआर-एनसीडीआईआर (2025-26) के डेटा के आधार पर, बठिंडा क्षेत्र का कैंसर एएआईआर सूचकांक प्रति 1,00,000 लोगों पर 125 मामले है। हालांकि यह राष्ट्रीय औसत (लगभग 100) से थोड़ा ज्यादा है, लेकिन यह दिल्ली (146) या केरल (135) की तुलना में काफी कम है। मिजोरम में एएआईआर बहुत अधिक बढ़कर 256 है। अगर 125 के आंकड़े के साथ बठिंडा 'कैंसर बेल्ट' कहलाता है, तब तो 256 दर के साथ, मिजोरम उस हिसाब से 'राष्ट्रीय आपदा' होना चाहिए, फिर भी निशाना केवल पंजाब को ही बनाया जा रह है। इस संकट में सबसे ज्यादा नजरअंदाज किया गया पहलू, विरोधाभासी रूप से, स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में पंजाब की शानदार उपलब्धि है। 2006-2010 के दौर में, जब वायरल हुई वे डॉक्यूमेंट्रीज रिलीज हुई थीं, पंजाब तब भारत के सबसे समृद्ध राज्यों में से एक था, जहां की औसत जीवन प्रत्याशा 70.6 साल थी-जो तब राष्ट्रीय औसत से 4.5 साल ज्यादा थी।

भले उसके बाद जीवन प्रत्याशा का यह राज्य-राष्ट्रीय अंतर लगातार कम होता गया है-संभवत: वायु प्रदूषण के कारण-फिर भी पंजाब का यह आंकड़ा अभी भी राष्ट्रीय औसत से ऊपर है। पंजाब में जीवन प्रत्याशा का ज्यादा होना किसी 'किस्मत' जनित आनुवंशिकी की वजह से नहीं, बल्कि यह पंजाबी समुदाय में मौजूद 'परमार्थ संस्कृति' का नतीजा है, जो 'लंगर' और 'सेवा' को प्राथमिकता देती है। इसका अन्य कारण है 2005 के बाद छपे लेख और 2010 में बेहद लोकप्रिय हुई डॉक्यूमेंट्री। कैंसर बुढ़ापे की बीमारी है। उदाहरण के लिए, जिस गांव में 80 साल से अधिक उम्र के लोग ज्यादा होंगे, वहां आसपास के गांवों की अपेक्षा कैंसर के मामले ज्यादा होंगे, भले ही वहां का पानी उनसे ज्यादा साफ हो। जिन राज्यों में लोगों की औसत उम्र कम है, वहां कई लोग 'कैंसर की उम्र' तक पहुंचने से पहले ही संक्रामक बीमारियों अथवा हृदय रोगों से मर जाते हैं। गौरतलब है कि जिन राज्यों में कैंसर की एएआईआर दर पंजाब से ज्यादा है (जैसे केरल, दिल्ली और मिजोरम), वहां लोगों की औसत उम्र भी अधिक है। 'कैंसर बेल्ट' वाली बात को महज एक बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई कहानी जानकर, आखिरकार हम अपना वैज्ञानिक ध्यान और संसाधन इस इलाके की वास्तविक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं पर लगा सकेंगे।

इनमें हेपेटाइटिस सी, मेटाबॉलिक सिंड्रोम, फैटी लिवर रोग, वायु प्रदूषण, शहरी कचरे का सही निपटान, भारी धातुओं के जहर और एंडोक्राइन को बिगाड़ने वाले 'नॉनिलफेनोल' जैसे रसायनों की उच्च मात्रा शामिल है। पिछले कई सालों से, पंजाब भारत में हेपेटाइटिस सी संक्रमण का मुख्य केंद्र बना हुआ है; भारत भर में हेपेटाइटिस सी के कुल प्रमाणिक मामलों के लगभग 35 प्रतिशत पंजाब के ही होते हैं। 44.2 प्रतिशत सूचकांक के साथ, पंजाब भारत में मोटापे का मुख्य केंद्र है, जबकि 53 प्रतिशत के साथ चंडीगढ़ में फैटी लिवर रोग के सर्वाधिक मामले पाए जाते हैं। पंजाब वास्तव में स्वास्थ्य एवं पर्यावरण से जुड़ी कई बड़ी समस्याओं का मुख्य केंद्र है-लेकिन आंकड़े साफ दर्शाते हैं कि कैंसर उनमें से एक नहीं है। जहां हम पंजाब की कमियों को छिपाएं नहीं वहीं ठीक इसी वक्त, बीमारियों से जुड़े आंकड़ों में पूरी सच्चाई सामने लाने की उम्मीद भी रखें।

माता को भोग लगाने के लिए बनाएं ये पकवान

हर साल चैत्र नवरात्रि चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से आरंभ हो जाती है। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि व्रत 19 मार्च से शुरू हो रहे हैं जो 27 मार्च को समाप्त होंगे। मान्यता है कि इन नौ दिनों में जो भी लोग सच्चे मन से माता रानी की पूजा करते हैं, उनकी हर मनोकामना पूरी होती है। बहुत से लोग पूजा-अर्चना करने के साथ-साथ नौ दिन व्रत रखते हैं। व्रत रखने वालों में बहुत से लोग तो काफी सख्ती से इसका पालन करते हैं, लेकिन कई लोग फलाहार खाते-पीते नौ दिन का व्रत रखते हैं। व्रत के लिए फलाहारी थाली तैयार करना काफी आसान है। बस कुछ पकवानों को बनाकर आप फलाहारी तैयार कर सकती हैं। आप माता रानी को भी फलाहारी थाली का भोग लगा सकती हैं।

साबूदाना की खिचड़ी

साबूदाना खिचड़ी हर किसी को पसंद आती है। ऐसे में आप अपनी फलाहारी थाली को पूरा करने के लिए स्वादिष्ट साबूदाना खिचड़ी जरूर बनाएं। बच्चों से लेकर बड़ों तक को ये खिचड़ी स्वादिष्ट लगती है। व्रत में ऊर्जावान रहने के लिए आप साबूदाने की खिचड़ी डाइट में शामिल कर सकते हैं। ये कई सारे पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसके अलावा साबूदाने में आयरन, कॉपर, विटामिन बी-6 और कॉपर भरपूर मात्रा होता है। आप साबूदाने से बने पकोड़े और खीर का सेवन भी कर सकते हैं। साबूदाने की खिचड़ी में पोटैशियम होता है। ये ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने में मदद करता है। ये ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

फ्रूट रायता

ज्यादातर लोग व्रत में रायता खाना पसंद करते हैं। इसकी वजह से गर्मी के मौसम में शरीर काफी हाइड्रेट रहता है। ऐसे में आप इस मौसम में मौसमी फलों वाला फ्रूट रायता बना सकती हैं। फलों से तैयार यह रायता पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर होता है। इसके सेवन से शरीर की गर्मी दूर होकर ठंडक का अहसास होता है। पाचन तंत्र व इम्यूनिटी तेजी से बढ़ने में मदद मिलती है।

सूखी अरबी

सूखी अरबी खाने में काफी स्वादिष्ट लगती हैं। चटाकेदार सूखी अरबी को आप फलाहारी थाली में बनाकर अपने परिवारवालों का दिल भी जीत सकती हैं। इसके अलावा अरबी सेहत का खज़ाना माना जाता है। इसमें मैग्नीशियम, आयरन, कॉपर, जिंक, फॉस्फोरस, पोटैशियम और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो कई तरह की स्वस्थ संबंधी रोगों को दूर रखता है। अरबी का सेवन हमारी इम्युनिटी बढ़ाता है और पेट का भी ख्याल रखता है।

मखाने की खीर

व्रत में मखाने की खीर खाने से आपका पेट पूरा दिन भरा रहेगा। ये खाने में काफी स्वादिष्ट होती है। ऐसे में घर पर फलाहारी थाली में मखाने की खीर जरूर बनाएं।

आलू की सब्जी

व्रत में ज्यादातार लोगों को आलू की सादी सब्जी खाना पसंद होता है। क्योंकि इसमें ज्यादा मसाले नहीं होते हैं, ऐसे में इसे खाने के बाद आपको किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी। इसे बनाने के बाद सब्जी में धनिया पत्ती जरूर डालें। जिससे स्वाद बढ़ जाता है।

कुट्टू का पराठा

वैसे तो लोग अक्सर कुट्टू की पूड़ी बनाकर खाना पसंद होता है, लेकिन आप चाहें तो कुट्टू का पराठा बना सकती हैं। इसकी वजह से कि ज्यादा तेल खाने से आपको परेशानी हो सकती है, ऐसे में कम तेल वाला पराठा आपके स्वास्थ्य को भी ठीक रखेगा। इसके अलावा इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन, मैग्नीशियम, विटामिन-बी, आयरन, कैल्शियम, फॉलेट, जिंक, कॉपर, मैग्नीज और फासफोरस पाया जाता है। इसमें मौजूद फाइटोन्यूट्रिएंट रूटीन कोलेस्ट्रोल और ब्लड प्रेशर को कम करता है। जो लोग सेलियक रोग से पीड़ित हैं उन्हें इसे खाने की सलाह दी जाती है।

हंसना मना है

पप्पू अपनी पत्नी से-अच्छा ये बताओ 'बिदाई' के समय तुम लड़कियां इतनी रोती क्यों हो? पत्नी- 'पागल' अगर तुझे पता चले.. अपने घर से दूर ले जाकर कोई तुमसे 'बर्तन मंजवाएगा' तो तू क्या नाचेगा।

मेरे एक पड़ोसी है, जिनका नाम है 'भगवान' और उनकी लड़की का नाम है भक्ति, मम्मी बोलती है कि 'बेटा भगवान की भक्ति में मन लगाया कर' अब मम्मी को कैसे समझाऊं की भक्ति में तो मन लगाता हूं, पर भगवान नहीं मान रहे।

इस मतलबी दुनिया में, एक पान वाला ही है, जो पूछ कर चुना लगाता है!

कुछ दोस्त ऐसे हैं जो घर से बीवी की लात खाकर आते हैं और दोस्तों से कहते फिरते हैं आज तो मैं लेग पीस खाकर आया हूं।

डेट पर लड़के ने लड़की से कहा, जानू, एक बात कहना चाहता हूं! लड़की: क्या? लड़का: मेरी पहले से एक गर्लफ्रेंड है! लड़की: डरा दिया, मुझे लगा कि पैसा नहीं है!

पति: अरे सुनो, मुन्ना रो रहा है चुप कराओ इसे। पत्नी: मैं काम करूं या बच्चे संभालू, मैं इसे दहेज में नहीं लाई थी, खुद ही चुप करा लो। पति: फिर रोने दे मैं कौन सा इसे बारात में लेकर गया था।

कहानी | मुल्ला नसरुद्दीन का भाषण

मुल्ला नसरुद्दीन अपनी चतुराई और हाजिर जवाबी के लिए हमेशा चर्चा में रहते थे। एक दिन उन्हें शहरवासियों ने भाषण देने के लिए आमंत्रित किया। भाषण देने से पहले उन्होंने वहां उपस्थित सभी लोगों से पूछा, क्या आप लोगों को पता है कि मैं किस विषय पर बोलने वाला हूं? लोगों ने उत्तर दिया कि हमें नहीं मालूम। मुल्ला कहने लगे, अगर आप लोगों को नहीं पता कि मैं किस विषय पर भाषण देने वाला हूं, तो मेरे भाषण देने का कोई मतलब नहीं है और वह मंच से नीचे उतर कर चले गए। मुल्ला की इस बात को सुनकर वहां मौजूद लोग काफी शर्मिंदा हुए और उन्होंने एक हफ्ते बाद फिर से उन्हें भाषण देने के लिए आमंत्रित किया। मंच पर आने के बाद मुल्ला ने फिर से पहले वाला सवाल दोहराया, क्या आप लोगों को पता है कि मैं आज कौन से विषय पर बोलने वाला हूं? लोगों ने जवाब दिया, जी हां, हमें पता है कि आप किस विषय पर भाषण देने वाले हैं। मुल्ला ने चिढ़ते हुए कहा, अगर आप सभी को पता है कि मैं किस विषय पर भाषण देने वाला हूं, तो मेरा बोलना बेकार है। मैं अपना और आप सभी का समय बर्बाद नहीं करना चाहता हूं। यह बोलकर मंच से उतरकर मुल्ला चले गए। मुल्ला की बात सुनकर सभी लोगों ने आपस में बातचीत कर यह निर्णय लिया कि इस बार मुल्ला के सवाल पर आधे लोग कहेंगे कि हमें पता है और आधे लोग यह जवाब देंगे कि हमें नहीं पता। मुल्ला नसरुद्दीन को तीसरी बार भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया। मंच पर चढ़ने के बाद मुल्ला ने फिर से अपना सवाल दोहराया, क्या आप सभी जानते हैं कि आज मैं किस विषय पर भाषण देने के लिए आया हूं? वहां उपस्थित आधे लोगों से जवाब दिया कि हमें मालूम है और आधे लोगों ने कहा कि हमें नहीं पता। लोगों की बात सुनकर मुल्ला ने कहा, जिन लोगों को पता है कि मैं भाषण में क्या बोलने वाला हूं, वो आधे अनजान लोगों को बता दें। इतना कहकर मुल्ला मंच से नीचे उतरे और चले गए। भाषण सुनने आए सभी लोग एक दूसरे का मुंह देखते रह गए। उस दिन के बाद कभी किसी ने मुल्ला को भाषण देने के लिए नहीं बुलाया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। व्यापार ठीक चलेगा।

वृषभ
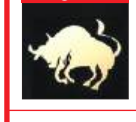
कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें।

मिथुन

भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कर्क

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह
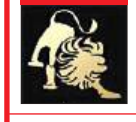
बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है।

कन्या

सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

तुला

पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक

जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी। प्रसन्नता रहेगी।

धनु

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं।

मकर
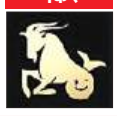
डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे।

मीन
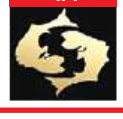
कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

बॉलीवुड | गुस्सा

ऑस्कर में धर्मेंद्र को नजरअंदाज किए जाने पर भड़कीं हेमा मालिनी

15 मार्च को ऑस्कर अवॉर्ड्स 2026 आयोजित किए गए थे। इन मेमोरियम सेगमेंट भी इसमें शामिल था, जिसमें पिछले एक साल में दुनिया को अलविदा कहने वाली इंडस्ट्री की हस्तियों को श्रद्धांजलि दी गई थी। हालांकि, पिछले साल दुनिया से रुखसत हुए दिग्गज भारतीय अभिनेता धर्मेंद्र का नाम इस श्रद्धांजलि सूची से नदारद था। हालांकि, ऑस्कर की ऑफिशियल वेबसाइट पर जारी डिटेल्ड लिस्ट में धर्मेंद्र का नाम शामिल था, लेकिन लाइव टीवी टेलीकास्ट के दौरान उनका नाम न देखकर फैंस निराश हो गए। अब, दिवंगत दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र की पत्नी और अभिनेत्री हेमा मालिनी ने ऑस्कर की इस अनदेखी पर अपना रिएक्शन दिया है और इसे बेहद शर्मनाक कहा है। बॉलीवुड हंगामा से बात करते हुए, हेमा मालिनी ने अपनी निराशा जाहिर की, और कहा कि इतने ग्लोबल महत्व वाले एक्टर को नजरअंदाज करना शर्म की बात है। दिग्गज अभिनेत्री ने कहा, बेशक, यह शर्म की बात है। उनके लिए यह शर्म की बात है कि उन्होंने एक ऐसे एक्टर को नजरअंदाज किया जो दुनिया के कई हिस्सों में इतने सारे लोगों के लिए बहुत मायने रखता है। धर्मजी को हर जगह जाना और पहचाना जाता था। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें इस नजरअंदाज किए जाने से कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा, उन्हें अपनी जिंदगी में कभी ज्यादा अवॉर्ड्स नहीं मिले। उन्हें ऑस्कर की परवाह क्यों करनी चाहिए? हम दोनों, हम अपने देश में प्यार पाकर खुश थे। लेकिन अवॉर्ड्स हमेशा उनसे दूर रहे। यहां तक कि मुझे लाल पत्थर और मीरा में अपनी बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए भी कोई अवॉर्ड नहीं मिला। बता दें कि ऑस्कर के लाइव टेलीकास्ट के बाद, कई इंडियन फैंस ने धर्मेंद्र को शामिल न करने पर सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की थी। एक फैन ने बॉलीवुड के एक लेजेंड का अपमान करने के लिए एकेडमी अवॉर्ड्स की बुराई की, जबकि दूसरे यूज़र ने भी यही बात दोहराते हुए सवाल किया कि इतनी हाइप के बावजूद इंडियन आइकॉन को पहचान क्यों नहीं मिली।

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने करण जौहर संग मिलाया हाथ, जल्द शुरू होगी अगली फिल्म की शूटिंग

साल 2012 में करण जौहर की फिल्म ऑफ द ईयर से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने वाले अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा एक बार फिर अपने मेंटर की शरण में पहुंच गए हैं। करण जौहर के साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा का एक लंबा एसोसिएशन रहा है।

इन दोनों ने साथ मिलकर हंसी तो फंसी, ब्रदर्स, कपूर एंड संस, बार-बार देखो, इत्तेफाक, शेरशाह और योद्धा जैसी कई फिल्में की हैं। अब सिद्धार्थ मल्होत्रा, करण जौहर के साथ एक रिलेशनशिप ड्रामा फिल्म पर काम शुरू करने जा रहे हैं।

करण जौहर और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने साथ में जितनी भी फिल्में की हैं, उनमें से लगभग सभी ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कमाल किया है। हालांकि, सिद्धार्थ की पिछली फिल्म योद्धा बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी, लेकिन इसके बावजूद अपने मेंटर करण जौहर पर सिद्धार्थ का भरोसा बिल्कुल नहीं डगमगाया है।

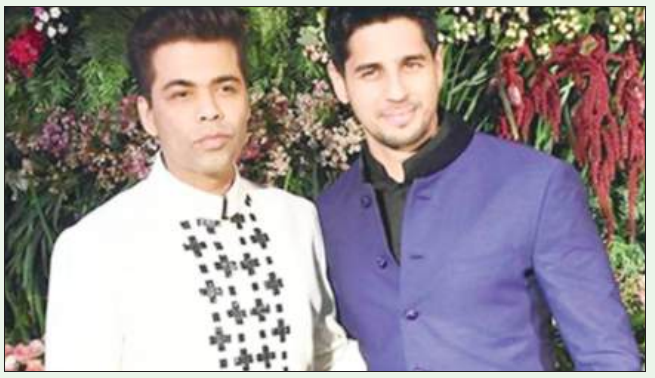

मुंबई मनोरंजन संवाददाता की एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सिनेमाई गलियारों से यह खबर सामने आई है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा, करण जौहर के प्रोडक्शन के बैनर तले एक और फिल्म करने जा रहे हैं। एक रिलेशनशिप ड्रामा को लेकर सिद्धार्थ की करण से बातचीत चल रही है। करण ने पिछले साल ही सिद्धार्थ से इस प्रोजेक्ट के बारे में बातचीत शुरू की थी, जिसमें एक्टर ने भी काफी दिलचस्पी दिखाई है। अब सिद्धार्थ इस फिल्म को साइन करने का पूरा मूड बना चुके हैं और दोनों के बीच बातचीत अंतिम चरण में है।

इस नई फिल्म के निर्देशन की बागडोर गुंजन सक्सेना- द कारगिल गर्ल के निर्देशक शरण शर्मा के हाथों में होगी। अगर सब कुछ सही रहा, तो फिल्म की शूटिंग इस साल की दूसरी छमाही में शुरू हो सकती है इसके अलावा, सिद्धार्थ आगामी दिनों में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया के साथ फिल्म VVAN: फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में नजर आएंगे। इस फिल्म को 15 मई को सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने की योजना है। आपको बता दें कि योद्धा के बाद सिद्धार्थ मल्होत्रा ने जाह्नवी कपूर के अपोजिट फिल्म परम सुंदरी में भी काम किया था। इस फिल्म से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से पिट गई।

नोरा फतेही और संजय दत्त के गाने सरके चुनर पर भड़के सिंगर अरमान मलिक

नोरा फतेही और संजय दत्त स्टारर अपकमिंग फिल्म केडी के नए गाने सरके चुनर तेरी सरके के लिरिक्स को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बवाल मचा हुआ है। इस गाने में इस्तेमाल किए गए डबल मीनिंग लिरिक्स को लेकर फैंस अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं।

हाल ही में मशहूर सिंगर अरमान मलिक ने भी इस विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और कमर्शियल गानों को हिट कराने के चक्कर में गिरते हुए स्तर पर अपनी कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। सिंगर अरमान मलिक ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, जब एक फैन ने सिंगर से पूछा कि इस तरह के भद्दे लिरिक्स को आखिर किसने अप्रूव किया? तो अरमान ने जवाब देते हुए कहा, मेरे पास सच में शब्द नहीं हैं। काश मैंने इसे सुना ही न होता। इन विवादित लिरिक्स पर रिएक्ट करने वाले अरमान मलिक अकेले इंसान नहीं हैं, बल्कि सेंसर बोर्ड ने इस गाने को कैसे पास कर दिया, इसे लेकर आम जनता का गुस्सा भी फूट रहा है। एक यूजर ने भड़कते हुए लिखा, सेंसर बोर्ड इस तरह के डबल मीनिंग, वल्गर और सेक्सुअल इशारों से भरे नोरा फतेही के गाने को कैसे पास कर सकता है? वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा, आप इसको डांस बोलते हैं? यह भारतीय महिला का अपमान है। महिला को एक वस्तु बनाकर आपने सारी हदें पार कर दी हैं।

अजब-गजब | इस राजा ने बनवायी थी भारत की पहली झील

गुजरात के जूनागढ़ में है सुदर्शन लेक झील जिसका करीब 322 ईसा पूर्व में हुआ था निर्माण

भारत में नदियों को मां की तरह पूजा जाता है। गंगा, यमुना से लेकर नर्मदा और गोदावरी तक, ऐसी तमाम विशाल नदियों के पानी का इस्तेमाल खेती-किसानी में होता है। इतना ही नहीं, कई जगहों पर तो विशाल डैम, जलाशय बनाकर पानी इकट्ठा किया जाता है, ताकि उनका उपयोग साफ-सफाई के बाद पीने के लिए किया जा सके। नैनीताल से लेकर भोपाल तक, तमाम शहरों में बड़ी-बड़ी झीलें देखने को मिल जाएंगी। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या आप भारत की उस पहली झील का नाम जानते हैं, जिसका निर्माण 2300 साल पहले हुआ था? किस राजा ने भारत की उस पहली झील बनवाया था? वो झील कहां पर बनी थी? क्या आज भी उस झील का वजूद बचा है या फिर गायब हो गया? अगर नहीं जानते, तो आज हम आपको ढ्ढद्बस्त्रद्बड्ड स्नद्बह्म्ह्यह्ल सीरीज के तहत उस पहली झील का नाम बताने जा रहे हैं। वो झील सुदर्शन लेक है, जो गुजरात के जूनागढ़ में हुआ करता था। इसके निर्माण का इतिहास भी बेहद रोचक है।

ऐतिहासिक शिलालेखों के अनुसार, भारत की पहली मानव निर्मित झील का निर्माण मौर्य वंश के संस्थापक सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य के आदेश पर कराया गया था। उस समय सौराष्ट्र क्षेत्र के प्रांतीय गवर्नर पुष्यगुप्त वैश्य को यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी। यह झील आज के गुजरात राज्य के जूनागढ़ जिले में गिरनार की पहाड़ियों के पास बनाई गई थी। करीब 322 ईसा पूर्व में जब चंद्रगुप्त मौर्य ने मौर्य साम्राज्य की स्थापना की, तब उनका लक्ष्य केवल राज्य का विस्तार करना ही नहीं था, बल्कि जनता के जीवन को बेहतर बनाना भी था। सौराष्ट्र का इलाका उस समय काफी शुष्क यानी सूखा माना जाता था और यहां पानी की कमी से आम जनजीवन त्रस्त था। खेती-किसानी करने में भी समस्या होती थी। इसी को ध्यान में रखते हुए सुवर्णसिक्ता और पलाशिनी नदियों के पानी को रोककर एक बड़ा जलाशय बनाने का फैसला किया गया। यही जलाशय आगे चलकर सुदर्शन झील के नाम से प्रसिद्ध हुआ। दिलचस्प बात यह है कि उस दौर में इतनी बड़ी झील का निर्माण करना अपने आप में एक अद्भुत इंजीनियरिंग उपलब्धि माना जाता है।

सुदर्शन झील का महत्व केवल उसके निर्माण तक ही सीमित नहीं था। आने वाले कई शासकों ने भी समय-समय पर इसकी मरम्मत और विस्तार करवाया। चंद्रगुप्त मौर्य के बाद उनके पोते सम्राट अशोक के समय इस झील को और विकसित किया गया। कहा जाता है कि उस दौर में यवन शासक तुषास्प ने झील से नहरें निकलवाकर खेतों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था करवाई थी। हालांकि, समय-समय पर भारी बारिश और प्राकृतिक आपदाओं के कारण झील का बांध कई बार टूट गया। 150 ईस्वी के आसपास शक शासक रुद्रदामन प्रथम के समय भीषण बारिश से झील को भारी नुकसान पहुंचा था। जूनागढ़ के प्रसिद्ध शिलालेख में इसका उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि रुद्रदामन ने बिना कोई नया कर लगाए अपने निजी खजाने से इस झील की मरम्मत करवाई और इसे पहले से अधिक मजबूत बनवाया।

12 सालों तक भेड़ियों के साथ रहा शख्स इंसानों के बीच आया तो होने लगी घुटन

आपने मोगली और टार्जन जैसी फिल्में देखी होंगी। इस तरह कई ऐसे मामलों के बारे में सुना होगा जब जंगल से इंसानी बच्चा मिला, जो जंगली जानवरों के बीच रहते हुए पला-बढ़ा। ऐसा ही कुछ एक स्पैनिश व्यक्ति के साथ भी हुआ जो सालों तक भेड़ियों के बीच पहाड़ों में रहा। पर जब उसे इंसानी आबादी में लाया गया तो लोगों के व्यवहार और तौर-तरीकों से उसे कोफ्त होने लगी। उसने दोबारा जंगल जाने का मन बना लिया। मिरर वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार मार्कोस रॉड्रिगेज पैंटोजा तब अचानक चर्चा में आए जब उन्हें प्रशासन ने दक्षिणी स्पेन के पहाड़ों से पकड़ा। वो जानवरों की तरह वहां रहते थे। उनका दावा है कि वो 12 सालों से पहाड़ों पर भेड़ियों के साथ रह रहे थे। उनकी इस कहानी की वजह से लोग उन्हें स्पेन का मोगली कहते हैं। अब वो 72 साल के हैं, पर जब वो मिले थे, तब उनकी उम्र करीब 19 साल थी। उन्हें सिएरा मोरेना के पहाड़ों से रेस्क्यू किया गया था। जब उन्हें पहली बार देखा गया, तो वो खाली पैर थे, बहुत कम कपड़े पहने थे और मुंह से अजीबोगरीब आवाजें निकालकर ही बातचीत किया करते थे। अब रॉड्रिगेज एक छोटे से घर में अकेले रहते हैं। उनका कहना है कि उनकी जिंदगी की सबसे खुशहाल यादें तब की हैं जब वो जानवरों के साथ पहाड़ों में रहा करते थे। रॉड्रिगेज की जिंदगी की शुरुआत काफी दुखद रही। जब वो 3 साल के थे, तब उनकी मां गुजर गईं और बाद में उनके पिता किसी दूसरी महिला के साथ रहने लगे। जब वो 7 साल के थे, तब उन्हें पहाड़ों पर एक चरवाहे के साथ रहने के लिए ले जाया गया और उनकी मदद करने को कहा गया। उसके पास करीब 100 बकरियां थीं। उस शख्स ने रॉड्रिगेज को आसान टूल्स का इस्तेमाल सिखाया, आग जलाना सिखाया और बाद में वो शख्स अचानक गायब हो गया या मर गया। अपने पीछे वो रॉड्रिगेज को जंगलों में रहने के लिए छोड़ गया। उन्होंने बताया कि जब जानवर उनके दोस्त बन गए तो भेड़ियों ने भी उन्हें अपना लिया। वो गुफा में सोते थे और चमगादड़, सांप और हिरण जैसे जीवों के साथ जगह को साझा करते थे। उन्होंने बताया कि भेड़ियों ने उन्हें ये पहचानने में मदद की कि कौन सी बेरी या मशरूम खाने योग्य है और कौन सी नहीं। उन्होंने बताया कि एक बार वो गुफा में घुसे और भेड़ियों के बच्चों के साथ खेलने लगे। जब उनकी मां वहां आई, तो पहले उसने अपने बच्चों को मांस दिया और कुछ हिस्सा उसकी ओर बढ़ा दिया। पहले वो डरा हुआ था कि कहीं वो हमला ना कर दे, मगर भेड़ियों की मां उसे चाटने लगी। उस दिन से शख्स भी भेड़ियों के झुंड का हिस्सा बन गया। पर जब स्पैनिश सिविल गार्ड ने उसे देखा तो इंसानी बस्ती में लेते गए।

रास चुनाव में हार के बाद से मचा घमासान

» कांग्रेस से लेकर राजद तक करेंगे मंथन

» पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजद पर बरसे

विपक्ष ने क्रॉस वोटिंग करने वालों पर कसा शिकंजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राज्य सभा में चुनाव में हार के बाद से बिहार से लेकर हरियाणा तक विपक्ष में घमासान मच गया। कांग्रेस, राजद से लेकर सभी पार्टियां अपने-अपने क्रास वोटिंग करने वालों पर विधायकों पर कार्रवाई करने का मन बना रही हैं। उधर बिहार में सोमवार (16 मार्च) को राज्यसभा चुनाव के लिए वोटिंग हुई। इसके बाद शाम को परिणाम आए। इसमें बीजेपी ने राज्य की पांचों सीटों पर जीत दर्ज की है. वहीं इस बीच कांग्रेस सांसद पप्पू यादव ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधा है इस दौरान उन्होंने अपनी नाराजगी भी जाहिर की है।

विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव को सबसे बात करना चाहिए था : पप्पू यादव

पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने राज्यसभा चुनाव परिणाम पर कहा कि विपक्ष के नेता (बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव) का दायित्व था कि वो सबसे बात करें। उन्होंने किसी से बातचीत नहीं की। यह गलत है। विपक्ष के नेताओं की जिम्मेदारी बनती है कि वो सबके साथ बैठक करें, विपक्ष के नेता की जो भूमिका होती है, उस जिम्मेदारी को उनको निभाने की जरूरत है। बिहार में पांच राज्यसभा सीटों पर सोमवार (16 मार्च) को मतदान हुआ। इसमें बीजेपी के एनडीए और आरजेडी के महागठबंधन के बीच मुकाबला था। एनडीए गठबंधन के पास 202 विधायकों की संख्या थी, जबकि महागठबंधन के पास 38 विधायक थे। बता दें हरियाणा कांग्रेस के प्रभारी बी के हरिप्रसाद ने हरियाणा के राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोट करने वाले विधायकों के नाम बता दिए हैं। उनके अनुसार, नारायणगढ़ से शैली चौधरी, पुनहाना से मोहम्मद इलियास, हथीन से मोहम्मद इसराइल और सढौरा से रेणु बाला ने क्रॉस वोट किया। बीके हरिप्रसाद ने कहा कि हमने डिसिप्लिनरी कमेटी को जानकारी दे दी है। आज इन सभी विधायकों को शोकॉज नोटिस भेजा जाएगा।

बिहार में पांचवी सीट पर थी कांटे की लड़ाई

इसके लिए पांचवी सीट पर कांटे की लड़ाई मानी जा रही थी। जिसमें एआईएमएम और बीएसपी निर्णायक भूमिका में थे। हलांकि कांग्रेस के कुछ विधायकों के न पहुंचने से महागठबंधन को पांचवी सीट पर भी हार का सामना करना पड़ा। राज्य की पांचों सीटों पर बीजेपी के एनडीए गठबंधन ने जीत दर्ज कर ली है। वहीं जदयू नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी जीत हासिल की है। ऐसे में भाजपा की ओर से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और शिवेश कुमार ने जीत दर्ज की। इसके अलावा, एनडीए सहयोगी दल राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएमएल) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा भी राज्यसभा चुनाव जीतने में सफल रहे। अब कांग्रेस और आरजेडी के महागठबंधन में इस हार को लेकर गुस्सा देखने को मिल रहा है। इस हार पर पप्पू यादव ने तेजस्वी यादव पर तीकरा फोड़ दिया है।

पहले अपने घर के अंदर झांक लें तेजस्वी यादव : ललन सिंह

राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव द्वारा राज्यसभा चुनाव में 'हॉर्स ट्रेडिंग' के आरोपों पर केंद्रीय मंत्री और जदयू नेता राजीव ललन सिंह ने कहा-तेजस्वी यादव को कुछ न कुछ तो कहना ही है. उन्हें पहले अपने घर के अंदर झांकना चाहिए. वह अपने ही विधायकों को संभालने में नाकाम रहे हैं और दूसरों पर आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने अपने विधायकों को होटल में बंद करके रखा हुआ था। उन्हें आत्ममंथन करना चाहिए. बिहार की जनता ने उन्हें नकार दिया है। लालू राज खत्म हो चुका है और अब वह भी उसी रास्ते पर जा रहे हैं।

बिहार में महागठबंधन महाफ्लॉपः शाहनवाज

राज्यसभा चुनाव के नतीजों पर भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने कहा, पांचों जीत से ये संदेश गया है कि बिहार में महागठबंधन महाफ्लॉप हो चुका है। बिहार की जनता हमारे साथ है। उन दलों में विश्वास की कमी हो रही है। उनके विधायकों का विश्वास उन पर नहीं है. कांग्रेस एक डूबता जहाज है। जो उसमें बैठेगा वो डूब जाएगा। राजद नेता तेजस्वी यादव के बयान पर उन्होंने कहा, कोई हॉर्स ट्रेडिंग नहीं हुई है बल्कि कोई हॉर्स उनके यहां रहने को तैयार नहीं हैं। धीरे-धीरे सब बिछड़ेंगे बारी-बारी एक दिन आएगा जब तेजस्वी यादव अकेले रह जाएंगे।

पलानीस्वामी-उदयकुमार ने एआईडीएमके को खत्म कर दिया : पन्नीरसेल्वम

» बोले- लोकसभा में हार की वजह भी यही दोनों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में अगले महीने 23 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होने हैं। इससे पहले राज्य की सियासत में गर्माहट सातवें आसमान पर पहुंच गया है। आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी तेज हो गई है। इसी बीच तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और हाल ही में सत्तारूढ़ डीएमके में शामिल हुए ओ पन्नीरसेल्वम ने एआईएडीएमके के नेता पलानीस्वामी और आर बी उदयकुमार पर जमकर निशाना साधा। साथ ही दोनों नेताओं को 2024 लोकसभा चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन का जिम्मेदार भी बताया। उन्होंने कहा कि इन दोनों की वजह से 2024 के लोकसभा चुनाव में एआईएडीएमके को बहुत बड़ा नुकसान हुआ।

पन्नीरसेल्वम ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उदयकुमार ने उन्हें पलानीस्वामी की आलोचना न करने की चेतावनी दी थी। लेकिन पन्नीरसेल्वम ने जवाब दिया कि मुझे पता है कि आपने पलानीस्वामी के तहत अपनी उन्नति के लिए कैसे काम किया। आप मुझे बोल नहीं सकते कि मैं पलानीस्वामी पर कुछ न कहूं। पन्नीरसेल्वम ने आगे कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने शुरू में रामनाथपुरम से चुनाव लड़ने से मना किया था, लेकिन उदयकुमार और अन्य नेताओं ने दबाव डालकर उन्हें चुनाव में उतार दिया।

मोदी के विदेश में साख बढ़ने के दावे फेल

» रिलायंस को अमेरिका में तेल रिफाइनरी परियोजना से पहले खर्च करने पड़े करोड़ों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मोदी सरकार की विदेश में साख बढ़ने का दावा करने वाले लोगों को एक खबर ने आईना दिखा दिया है। ट्रंप की मित्रता की हवा निकलने के बाद एक और कारनामें ने मोदी सरकार को बट्टा लगा दिया है। दरअसल भारत की बड़ी निजी कंपनी रिलायंस ने अमेरिका में एक तेल रिफाइनरी परियोजना से पहले अमेरिकी सरकार और नीति-निर्माताओं को प्रभावित करने के लिए भारी लॉबिंग खर्च किया। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने करीब 14.9 लाख डॉलर लॉबिंग पर खर्च किए। एक वेबसाइट के मुताबिक, यह जानकारी अमेरिकी सीनेट में जमा रिकॉर्ड से सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार यह खर्च ऊर्जा नीति, व्यापार नियमों, प्रतिबंधों और तेल पर लगने वाले टैरिफ जैसे मुद्दों को लेकर अमेरिकी प्रशासन से संपर्क बनाने के लिए किया गया था। दस्तावेजों के मुताबिक 2025 में रिलायंस ने लॉबिंग पर बड़ा खर्च किया, जिसमें से 7.6 लाख डॉलर सिर्फ 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2025 के बीच खर्च किए गए। इसके अलावा कंपनी ने पहले से काम कर रही तीन लॉबिंग फर्मों के साथ एक नई फर्म चेकमेट गवर्नमेंट रिलेशन को भी नियुक्त किया। इस फर्म के कुछ अधिकारियों के अमेरिकी प्रशासन से पुराने संबंध बताए जाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2025 में रिलायंस समूह अमेरिकी प्रशासन की आलोचना के दायरे में भी आया था। उस समय अमेरिकी अधिकारियों ने कहा था कि भारत की कुछ बड़ी कंपनियां सस्ते रूसी तेल खरीदकर उससे मुनाफा कमा रही हैं। इसी दौरान अमेरिका ने भारतीय सामानों पर टैरिफ 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया था।

ट्रंप के ऐलान से पहले बढ़ी लॉबिंग

यह लॉबिंग उस समय की गई जब अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने टेक्सास में नई तेल रिफाइनरी परियोजना की घोषणा की। 11 मार्च को ट्रंप ने बताया कि टेक्सास के ब्राउन्सविल पोर्ट पर बनने वाली इस रिफाइनरी को रिलायंस समर्थन देगी। इसे पिछले 50 वर्षों में अमेरिका की पहली नई बड़ी रिफाइनरी परियोजनाओं में से एक बताया गया। रिपोर्ट के अनुसार इस परियोजना को अमरिका फर्सर रिफाइनिंग नाम की कंपनी विकसित कर रही है। इस कंपनी ने कहा कि उसे एक वैश्विक ऊर्जा कंपनी से नौ अंकों का निवेश मिला है और एक समझौते के तहत वह अमेरिकी शेल ऑयल से बने ऊर्जा उत्पादों की खरीद-प्रसंस्करण और वितरण करेगी।

2016 के ऊना दलित हिंसा केस में 37 आरोपी बरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात के ऊना के मोटा समढियाला गांव में साल 2016 में कथित गोकशी के आरोप में गांव के कुछ परिवारों पर हमला किया गया था। उस समय इस मामले में 42 लोगों को आरोपी बनाया गया था। पूरे मामले में आज 10 साल बाद अब कोर्ट ने 37 आरोपियों को बरी कर दिया है। इसके साथ ही पूरे मामले में 5 लोगों को दोषी ठहराया गया है, जिनकी सजा का ऐलान आज किया जाएगा।

कोर्ट ने इस मामले में आरोपी कुछ पुलिसकर्मियों को भी बरी कर दिया है। इनमें कंचनबेन, पीएसआई पांडे, ऊना पीएसओ करशनभाई और निर्मल झाला शामिल है. इनमें से निर्मल झाला की पहले ही मौत हो चुकी है। कुल 42 आरोपियों में से अब तक दो आरोपियों की मौत भी हो चुकी है. ऊना कांड सिर्फ एक स्थानीय घटना नहीं थी, बल्कि इसने भारत में जाति, सामाजिक न्याय और कानून के राज पर गहरी बहस को जन्म दिया था।

चोट ने बिगाड़ी मयंक यादव की रफ्तार

» दो साल में खेले महज छह आईपीएल मैच, इस सीजन पूरी तरह तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होने जा रही है। दुनिया की इस सबसे बड़ी टी20 लीग में खिलाड़ियों को अपना हुनर दिखाने का बेहतरीन मौका मिलता है। इस लीग में शानदार प्रदर्शन खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में जगह भी दिलवाता है। इस लीग से कई सितारे उभरते हैं और इन्हीं सितारों में एक नाम ऐसा भी है, जिसने अपनी रफ्तार से दुनिया को हैरान तो किया, लेकिन पिछले कुछ समय से क्रिकेट की चकाचौंध से गायब है। मयंक को आईपीएल में रफ्तार का सौदागर कहा गया। हालांकि, पिछले दो आईपीएल सत्र में वह सिर्फ छह मैच ही खेल सके हैं।

उनका ज्यादातर समय बंगलूरू में बीसीसीआई के रिहैब सेंटर में ही बीता है। हालांकि, इस साल इस रफ्तार के सौदागर के पास अपनी छाप छोड़ने का अच्छा मौका है। दो साल चोट से ज्यादातर समय जूझने के बाद, मयंक अब आईपीएल में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दरअसल, आईपीएल 2022 के ऑक्शन में लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) ने दिल्ली के एक तेज गेंदबाज पर दांव खेला। 20 लाख के बेस प्राइस में मयंक यादव लखनऊ के खेमे में शामिल हुए। साल 2022 और 2023 में मयंक को अपनी रफ्तार दिखाने का मौका नहीं मिला था। हालांकि, एलएसजी में मयंक को एक ऐसे तेज गेंदबाज के तौर पर तैयार किया जा रहा था, जो बल्लेबाजों के लिए बड़ी परेशानी बनने वाले थे। मयंक को आईपीएल 2024 में पहली बार मौका मिला और उनकी रफ्तार ने हर टीम और बड़े से बड़े बल्लेबाज को चौंका दिया। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने पहले मैच में 27 रन देकर तीन विकेट झटके और प्लेयर ऑफ द मैच बने। मयंक को भारतीय टी20 टीम में जगह दी गई। वह अक्तूबर में बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेले और पांच विकेट लिए। ऐसा कहा जाने लगा कि भारत को एक नया सितारा मिल गया है। लेकिन मयंक एक बार फिर चोटिल हो गए और फिर रिहैब से गुजरे।

आरसीबी को झटका हेजलवुड का शुरुआती मैचों में खेलना तय नहीं

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में टीमों के लिए खिलाड़ियों की चोट चिंता का विषय बन गई है। आरसीबी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के बिना अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए तैयार नजर आ रही है, जो फिलहाल चोट से उबरने की प्रक्रिया में हैं। इस चोट की वजह से वह पूरी एशेज सीरीज और टी20 विश्व कप से बाहर रहे। आरसीबी के स्टार गेंदबाज को हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। जब वह ठीक हुए, तब उनकी एड़ी में तकलीफ शुरू हो गई। आईपीएल 2026 में वह अपनी फ्रेंचाइजी के लिए शुरुआती दो मैच नहीं खेल सकेंगे। आईपीएल में देर से आने वाले खिलाड़ियों की सूची में हेजलवुड के साथ एक और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस का नाम भी जुड़ने की संभावना है।

दिल्ली से लेकर मप्र तक आग का कहर

भीषण अग्निकांड में 16 लोगों की मौत, इंदौर में ब्रजेश्वरी एनेक्स कॉलोनी के एक मकान में आग लगने से 7 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली से ले कर मप्र तक आग का कहर बरपा। इन अगिकांडों में 16 लोग अकाल ही मौत के मुंह में चले गए। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में बुधवार की सुबह एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। शहर की ब्रजेश्वरी एनेक्स कॉलोनी में स्थित एक रिहायशी मकान में भीषण आग लगने से सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के वक्त घर के सदस्य गहरी नींद में थे, जिससे उन्हें संभलने का मौका नहीं मिला।

पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) कुंदन मंडलोई ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ब्रजेश्वरी एनेक्स कॉलोनी के एक मकान में बुधवार तड़के साढ़े तीन बजे से साढ़े चार बजे के बीच आग लगी। उन्होंने कहा, 'मकान से सात लोगों के शव निकाले गए हैं। बचाव कार्य समाप्त हो गया है और आग पर काबू पा लिया गया है।' एसीपी ने बताया कि आग लगने का कारण पता लगाया जा रहा है।

जांच के घेरे में आग का कारण

फिलहाल आग लगने के स्पष्ट कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस और फॉरेंसिक टीमें मौके पर मौजूद हैं। शुरुआती कयास शॉर्ट सर्किट को लेकर लगाए जा रहे हैं, लेकिन प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विस्तृत जांच के बाद ही असली वजह सामने आएगी। आसपास के लोगों का कहना है कि आग इतनी तेजी से फैली कि जब तक मदद पहुंचती, धुएं और लपटों ने घर को घेर लिया था। इस घटना ने एक बार फिर रिहायशी इलाकों में फायर सेफ्टी और आपातकालीन निकास की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय प्रशासन ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

दिल्ली के पालम में भीषण अग्निकांड! 9 लोगों की झुलसने से मौत

राजधानी दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम इलाके में बुधवार की सुबह एक बड़े हादसे के साथ हुई। पालम मेट्रो स्टेशन के पास स्थित एक बहुमंजिला रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने से नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार, आग लगने की सूचना सुबह करीब 7:00 बजे मिली। घटना पालम मेट्रो स्टेशन के पास स्थित श्री राम चौक की गली नंबर-2 में एक रिहायशी बिल्डिंग में हुई। देखते ही देखते आग ने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वहां रहने वाले लोग अंदर ही फंस गए। संकरी गली और धुएं के गुबार के कारण दमकलकर्मियों को अंदर फंसे लोगों तक पहुँचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) अमित गोयल ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जब आग लगी, उस समय बिल्डिंग के अंदर लगभग एक दर्जन लोग मौजूद थे।अमित गोयल,आग बुझाने और बचाव का अभियान अभी भी जारी है। दिल्ली पुलिस के जवान दमकलकर्मियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लोगों को सुरक्षित निकालने और स्थिति को नियंत्रित करने में जुटे हैं।

सीएम भजनलाल ने अशोक गहलोत पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर । राजस्थान दिवस के अवसर में आयोजित 'राजस्थान युवा शक्ति दिवस' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर जमकर निशाना साधा। जयपुर के मानसरोवर स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने बिना नाम लिए गहलोत के दिल्ली दौरों पर सवाल उठाने को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी।

सीएम ने कहा कि कुछ लोग पूछते हैं कि वे दिल्ली क्यों जाते हैं या क्यों नहीं जाते? इस पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा, अरे तुम्हारी मर्जी से चलूंगा क्या, तुम हो क्या मेरे ऊपर? उन्होंने कहा कि वे जब भी दिल्ली जाते हैं, राजस्थान के लिए कुछ न कुछ लेकर ही लौटते हैं, जबकि पहले की सरकारें अपनी सत्ता बचाने के लिए होटल राजनीति करती थीं। भजनलाल शर्मा ने पूर्व सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आप तो होटलों में सोए थे, और जब दिल्ली जाते थे तो दोनों पैरों में पट्टी बांध लेते थे, जिससे यह दिखता था कि जाना इनके बस की बात नहीं है।

साध्वी निरंजन ज्योति राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष बनीं

» पदभार ग्रहण करने की तस्वीरें साझा कीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी नेता साध्वी निरंजन ज्योति, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष बनीं हैं। उन्होंने 18 मार्च, बुधवार को पद ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने की तस्वीरें साझा करते हुए ज्योति ने सोशल मीडिया साइट फेसबुक पर लिखा- सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके. शरण्ये त्र्यम्बके गौरी नारायणि नमोस्तुते॥

नई दिल्ली में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने लिखा कि पिछड़े समाज के सम्मान, अधिकारों की रक्षा और उनके समग्र विकास के लिए समर्पित यह दायित्व प्रदान करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी का हृदय से आभार। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग का यह संकल्प है कि पिछड़े समाज को न्याय, सुरक्षा, सम्मान और विकास के समान अवसर प्राप्त हों इसी भावना के साथ आयोग कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है. जब पिछड़ा समाज सशक्त होगा, तभी भारत चतुर्दिक विकास पथ पर अग्रसर बनेगा। पूर्व सांसद के पदभार ग्रहण करने पर यूपी बीजेपी चीफ पंकज चौधरी ने लिखा कि पूर्व सांसद साध्वी निरंजन ज्योति को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष पदभार संभालने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

प्रद्युत बोरदोलोई का इस्तीफा दुर्भाग्यपूर्ण : प्रियंका गांधी

» कांग्रेस सांसद ने बीजेपी का थामा दामन, भाजपा ने राहुल गांधी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस को विधानसभा चुनावों से पहले असम में झटका लगा है। राज्य से पार्टी सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने न सिर्फ कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है, बल्कि बीजेपी में शामिल भी हो गए हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा असम में कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की चेयरपर्सन हैं, लिहाजा यह पार्टी के लिए राजनीतिक रूप से भी बड़ा नुकसान है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रद्युत बोरदोलोई के इस्तीफे को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए माना है कि शायद वह टिकट को लेकर अपसेट हो गए। लेकिन, बीजेपी ने बिना मौका गंवाए इसके लिए राहुल गांधी की नेतृत्व क्षमता पर हमला बोल दिया। बजट सत्र में शामिल होने संसद पहुंचीं

केरल के वायनाड से कांग्रेस एमपी और असम में पार्टी की स्क्रीनिंग कमेटी की चेयरपर्सन से जब सांसद प्रद्युत बोरदोलोई के कांग्रेस छोड़ने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा,यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। मुझे लगता है कि वह टिकट आवंटन को लेकर अपसेट थे और शायद इस बारे में हमें बात करने का मौका मिला होता।

बीजेपी बोली कांग्रेस में राहुल गांधी के खिलाफ विद्रोह

बीजेपी ने असम कांग्रेस को लगे इस झटके के बाद राहुल गांधी पर जोरदार हमला किया है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा- भूपेन बोरा के बाद एक और हिंदू नेता प्रद्युत बारदोलोई ने भी असम कांग्रेस छोड़ दिया...कांग्रेस नेता राहुल गांधी और गौरव गोगोई के हिंदू-विरोधी और असम विरोधी राजनीति के खिलाफ खुला विद्रोह कर रहे हैं है.....। उधर बीजेपी के एक और प्रवक्ता शहजाद जयहिंद ने इसके बारे में एक्स पर प्रतिक्रिया में लिखा, टुकड़े टुकड़े कांग्रेस को बड़ा झटका। कांग्रेस एमपी प्रद्युत बारदोलोई और प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष और एआईसीसी सदस्य नवज्योति तालुकदार दोनों ने इस्तीफा दे दिया है। राहुल को जनता ने रिजेक्ट किया..राहुल को सहयोगियों ने रिजेक्ट किया..अब कांग्रेस के नेताओं ने भी राहुल को रिजेक्ट किया।

सेवानिवृत्त हो रहे सांसदों को दी गई विदाई, कांग्रेस अध्यक्ष ने देवेगौड़ा से ली चुटकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में सेवानिवृत्त हो रहे सांसदों को विदाई दी गई। विदाई के दौरान पीएम मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे मौजूद रहे। मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने व्यंग्यात्मक अंदाज से सबका ध्यान खींचा, जब उन्होंने एचडी देवेगौड़ा की राजनीतिक निष्ठा पर सवाल उठाते हुए उन्हें विपक्ष से प्रेम और मोदी जी से शादी करने की सलाह दी। खरगे की इस टिप्पणी ने जेडीएस और भाजपा के बीच पनपते संभावित गठबंधन की ओर एक गहरा राजनीतिक संकेत दिया, जिससे सदन में हंसी की लहर दौड़ गई।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की एक चुटीली टिप्पणी ने संसद में चल रही गंभीर बहस को हंसी के माहौल में बदल दिया। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा पर उनके व्यंग्यात्मक कटाक्ष ने प्रधानमंत्री को भी मुस्कुराने पर मजबूर कर दिया। संसद की कार्यवाही के दौरान, खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा में दिए गए देवेगौड़ा के बयान पर हल्के-फुल्के अंदाज में तंज कसा। शब्दों का चतुराई से

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा सदस्यों को दी विदाई

वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अप्रैल से जुलाई के बीच राज्यसभा से सेवानिवृत्त हो रहे 59 सांसदों को विदाई देते हुए संसद को एक खुला विश्वविद्यालय करार दिया। पीएम ने सेवानिवृत्त हो रहे सांसदों से राष्ट्रीय जीवन में योगदान जारी रखने का आह्वान करते हुए कहा राजनीति में फुल स्टॉप नहीं होता।उच्च सदन में मोदी ने कहा कि ऐसे क्षण स्वाभाविक रूप से पार्टीगत मतभेदों को भुला देते हैं। उन्होंने कहा "हम सभी में एक साझा भावना उत्पन्न होती है इ यह एहसास कि हमारे सहयोगी अब अन्य प्रयासों को आगे बढ़ाने जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद कुछ सदस्य पुन- सदन में आएंगे और कुछ नहीं आएंगे। ऐसे सदस्यों को प्रधानमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा "राजनीति में फुल स्टॉप जैसी कोई चीज़ नहीं होती। भविष्य आपका भी इंतजार कर रहा है, और आपका अनुभव हमेशा हमारे राष्ट्रीय जीवन का स्थायी हिस्सा रहेगा।"

पीएम ने खरगे, देवेगौड़ा व पवार की सरहना की

मोदी ने तीन वरिष्ठ नेताओं पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा, नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) प्रमुख शरद पवार की खास तौर पर सराहना की और उन्हें ऐसे स्तंभ बताया जिन्होंने अपने जीवन का आधे से अधिक समय संसदीय कार्यवाहियों में बिताया।

प्रयोग करते हुए खरगे ने कहा कि देवेगौड़ा विपक्ष के साथ साझेदारी तो चाहते हैं, लेकिन भाजपा के साथ विवाह करना चाहते हैं। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, प्रेम हमारे साथ, शादी मोदी जी के साथ, जिससे सदन में हंसी गूंज उठी।

खरगे ने सभी सेवानिवृत्त होने वाले सांसदों को विदाई दी

मल्लिकार्जुन खरगे ने उच्च सदन से सेवानिवृत्त होने वाले सांसदों को विदाई देने में भाग लिया और इस बात पर जोर दिया कि लोक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता

औपचारिक पदों से परे भी जारी रहती है। खुद जून में राज्यसभा से सेवानिवृत्त होने वाले खरगे ने विदाई समारोह में भाग लिया, जिसकी शुरुआत सांसदों द्वारा अप्रैल से जुलाई के बीच अपना कार्यकाल पूरा करने वाले सेवानिवृत्त सांसदों को शुभकामनाएं देने से हुई। चर्चा के दौरान बोलते हुए, खरगे ने संसदीय जिम्मेदारियों की चिरस्थायी प्रकृति और सदन की निरंतरता पर प्रकाश डाला। खरगे ने एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार की सदन में वापसी पर भी संतोष व्यक्त किया। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले के बारे में बात करते हुए उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि अपनी कविताओं के माध्यम से वे हमेशा प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा करते हैं। हमेशा।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा